काल *(Tense)*

क्रिया के होने के समय को काल कहते हैं। इसके तीन भेद हैं — भूत, वर्तमान और भविष्यत्।

मध्यम · विस्तृत विवेचन · अंतिम बदलाव 15 सितंबर 2026

परिभाषा

क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं।

राम आया, *राम आता है*, *राम आएगा* — तीनों वाक्यों में क्रिया एक ही है, पर उसका रूप बदल गया, और उसी के साथ समय भी। क्रिया के इसी समय-बोध को **काल** कहते हैं।

काल के तीन मुख्य भेद हैं, और प्रत्येक के अपने उपभेद।

वर्तमान काल

जो कार्य **अभी** हो रहा हो। इसके पाँच उपभेद हैं।

उपभेद	पहचान	उदाहरण
सामान्य वर्तमान	कार्य सामान्य रूप से होता है	राम पढ़ता है।
अपूर्ण वर्तमान	कार्य जारी है	राम पढ़ रहा है।
पूर्ण वर्तमान	कार्य अभी-अभी पूरा हुआ	राम ने पढ़ा है।
संदिग्ध वर्तमान	होने में संदेह है	राम पढ़ता होगा।
संभाव्य वर्तमान	होने की संभावना है	शायद राम पढ़ता हो।

ध्यान दें

सामान्य और अपूर्ण वर्तमान में अंतर: *राम पढ़ता है* का अर्थ है कि वह नियमित रूप से पढ़ता है — यह उसकी आदत है। *राम पढ़ रहा है* का अर्थ है कि इसी क्षण पढ़ाई चल रही है।

भूतकाल

जो कार्य **बीत चुका** हो। इसके छह उपभेद हैं — यह सबसे विस्तृत काल है।

उपभेद	पहचान	उदाहरण
सामान्य भूत	कार्य बीत गया, समय स्पष्ट नहीं	राम आया।
आसन्न भूत	अभी-अभी बीता	राम आया है।
पूर्ण भूत	बहुत पहले बीत चुका	राम आया था।
अपूर्ण भूत	बीते समय में जारी था	राम आ रहा था।
संदिग्ध भूत	बीतने में संदेह	राम आया होगा।
हेतुहेतुमद् भूत	एक कार्य दूसरे पर निर्भर	यदि राम आता तो मैं जाता।

अंतर देखिए

राम **आया**। — कब, यह स्पष्ट नहीं।

राम **आया है**। — अभी-अभी आया।

राम **आया था**। — बहुत पहले आया।

ध्यान दें

हेतुहेतुमद् भूत वह काल है जिसमें एक कार्य का होना दूसरे कार्य पर निर्भर था, पर दोनों में से कोई भी हुआ नहीं। *यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती* — न वर्षा हुई, न फसल अच्छी हुई।

भविष्यत् काल

जो कार्य **आगे** होगा। इसके तीन उपभेद हैं।

उपभेद	पहचान	उदाहरण
सामान्य भविष्यत्	आगे होगा	राम आएगा।
संभाव्य भविष्यत्	होने की संभावना	शायद राम आए।
हेतुहेतुमद् भविष्यत्	एक पर दूसरा निर्भर	यदि राम आएगा तो मैं जाऊँगा।

एक ही क्रिया, तीनों कालों में

लिखना धातु के रूप तीनों कालों में इस प्रकार बदलते हैं:

काल	पुल्लिंग एकवचन	स्त्रीलिंग एकवचन	पुल्लिंग बहुवचन
सामान्य वर्तमान	लिखता है	लिखती है	लिखते हैं
अपूर्ण वर्तमान	लिख रहा है	लिख रही है	लिख रहे हैं
सामान्य भूत	लिखा	लिखी	लिखे
पूर्ण भूत	लिखा था	लिखी थी	लिखे थे
सामान्य भविष्यत्	लिखेगा	लिखेगी	लिखेंगे

ध्यान दें

काल पहचानने में सहायक **सहायक क्रियाएँ** देखिए:

है, हैं, रहा है → वर्तमान · *था, थे, थी, रहा था* → भूत · *गा, गे, गी* → भविष्यत्

काल पहचानने का क्रम

किसी वाक्य का काल बताने में यह क्रम उपयोगी है:

1. पहले **मुख्य काल** तय कीजिए — सहायक क्रिया से (है / था / गा)।
2. फिर देखिए कार्य **पूरा** हुआ या **जारी** था।
3. अंत में देखिए कि कहीं **संदेह** या **शर्त** तो नहीं है।

> **अभ्यास से**
>
> *राम पढ़ रहा था।* → *था* से भूतकाल; *रहा* से कार्य जारी → **अपूर्ण भूत**
>
> *राम ने पढ़ा होगा।* → भूत का कार्य; *होगा* से संदेह → **संदिग्ध भूत**

अभ्यास

उत्तर देखने से पहले स्वयं सोचें।

“राम आया था।” — कौन-सा काल है?

उत्तर पूर्ण भूत, क्योंकि कार्य बहुत पहले पूरा हो चुका है। “था” इसका सूचक है।

“राम पढ़ता है” और “राम पढ़ रहा है” में क्या अंतर है?

उत्तर पहला सामान्य वर्तमान है — नियमित आदत बताता है। दूसरा अपूर्ण वर्तमान है — इसी क्षण कार्य जारी होने का बोध कराता है।

“यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती।” — इसका काल बताइए।

उत्तर हेतुहेतुमद् भूत, क्योंकि एक कार्य दूसरे पर निर्भर था और दोनों में से कोई हुआ नहीं।

भूतकाल के कितने उपभेद हैं? नाम गिनाइए।

उत्तर छह — सामान्य भूत, आसन्न भूत, पूर्ण भूत, अपूर्ण भूत, संदिग्ध भूत और हेतुहेतुमद् भूत।

“राम आया होगा।” — काल बताइए।

उत्तर संदिग्ध भूत — कार्य भूतकाल का है, पर उसके होने में संदेह है, जो “होगा” से सूचित होता है।